जेंडर इक्विटी मूवमेंट इन स्कूल (GEMS)

हमें विश्वास दिलाता है हम समान हैं

बिनीत झा, अमाजीत मुखर्जी, प्रणिता अच्युत

GEMS (Gender Equity Movement in School) एक स्कूल कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य जेंडर समानता को बढ़ावा देना और जेंडर आधारित हिंसा को रोकना है जिससे ऐसा समाकुल माहौल बने जिससे लड़के और लड़कियां अपनी शिक्षा और पूरी क्षमता प्राप्त कर सकें। GEMS किशोरियों और किशोरों के साथ तीन मुख्य सीखों पर आधारित है :

- **शीघ्र शुरुआतः** विभिन्न समाजीकरण की प्रक्रिया के माध्यम से बच्चे कम उम्र से जेंडर आधारित काम और जिम्मेदारियों, अपेक्षाओं, उचित–अनुचित को जानने और समझने लगते हैं। इसलिए आवश्यक है कि बचपन से ही इन मुद्दों पर बात की जाए ताकि उनमें इन मुद्दों को देखने का एक अलग नजरिया उत्पन्न हो।
- **जेंडर परिवर्तनकारी दृश्टिकोणः** जेंडर बराबरी को बढ़ावा देने के लिए जरुरी है कि शिक्षक और बच्चे आपसी जेंडर संबंधों में व्याप्त सत्ता और उसके प्रभाव को समझ सकें, अपनी सोच और व्यवहार का विश्लेषण कर सकें और गैर बराबरी के सत्ता संबंधों पर प्रश्न कर सकें और बदलाव की क्षमता विकसित हो।
- **समाजीकरण की प्रक्रियाः** बच्चों के समाजीकरण की प्रक्रिया में स्कूल और शिक्षकों की अहम् भूमिका है। एक संस्था के तौर पर स्कूल बहुत सारे बच्चों तक पहुँच कर उन पर दीर्घकालीन प्रभाव डालते हैं।

जेंडर समता एक सतत प्रक्रिया है और उस ओर GEMS एक छोटा मगर महत्वपूर्ण कदम है।

GEMS - कार्यक्रम की अवधारणा एवं रूपरेखा

GEMS शिक्षण प्रणाली के भीतर और बच्चों के जीवन में संभावित रोल मॉडल और परिवर्तन के एजेंट के रूप में शिक्षकों की केंद्रीय भूमिका को समझता है और उसे प्राथमिकता के रूप में स्थापित करता है।

GEMS कार्यक्रम की विभिन्न गतिविधियों जैसे, सामूहिक कक्षा सत्र, जेंडर समानता और जेंडर–आधारित हिंसा (GBV) की रोकथाम के लिए स्कूल एवं समुदाय स्तर पर अभियानों को सफलतापूर्वक सुनिश्चित एवं क्रियान्वित करने के लिए शिक्षकों के नेतृत्व की महत्ता को समझते हुए कार्यक्रम के तहत चुनिंदा शिक्षकों का जेंडर दृष्टिकोण विकसित करने और उनके कौशल निर्माण को मुख्य रूप से जगह दी गई है।

जेंडर परिवर्तनकारी दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए, GEMS व्यक्ति विशेष को आम तौर पर प्रचलित मान्यताओं और मानदंडों को चुनौती देने में सक्षम बनाता है, और सोच को व्यवहार में बदलने के लिए व्यावहारिक कौशल प्रदान करता है।

GEMS का लक्ष्य:

- वास्तविक स्थितियों को प्रस्तुत करना और दैनिक जीवन के व्यवहारों पर सवाल उठाने के लिए आलोचनात्मक आत्म–चिंतन को प्रोत्साहित करना।
- 12–18 वर्ष की आयु के लड़कों और लड़कियों को प्रतिकूल जेंडर संबंधों को समझने, चुनौती देने और बदलने में मदद करना।
- सामूहिक चिंतन को प्रोत्साहित करना और इस प्रकार सकारात्मक, सहायक पीअर नेटवर्क बनाना।
- शिक्षकों को अपनी स्वयं की परिवर्तनकारी यात्रा शुरू करने में सक्षम बनाकर उनमें जिम्मेदारी और दृढ़ विश्वास पैदा करना।
- जेंडर समानता वाले शैक्षणिक संस्थानों को बढ़ावा देना।
- लड़कियों, लड़कों और शिक्षकों के बीच शिक्षा, जेंडर समानता एवं विवाह सम्बन्धी परम्पराओं के प्रति विचारों में सकारात्मक बदलाव लाना।
- लड़कों एवं लड़कियों की आकांक्षा और आत्मविश्वास बढ़ाना जिससे वे अपनी बात खुलकर माता–पिता, अभिभावकों एवं शिक्षकों से व्यक्त कर सकें।

यात्रा एवं पहुँच

शोध के अनुसार स्कूल प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से असमान जेंडर मानदंडों को सुदृढ़ करते हैं। हालाँकि, स्कूलों में बदलाव की बहुत अधिक संभावना है और वे न केवल स्थापित दृष्टिकोणों को बढ़ावा देने में बल्कि उनकी आलोचनात्मक जांच करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

इस परिवर्तन को सक्षम करने के लिए GEMS एक गतिविधि–आधारित पाठ्यक्रम का उपयोग करता है, जिसमें रोल प्ले सत्र, चर्चा सत्र आदि शामिल हैं।

GEMS छठी कक्षा से लेकर बारहवीं कक्षा तक संचालित है और इसे समुदायों और धार्मिक और सामाजिक समूहों सहित विभिन्न सेटिंग्स में लागू किया जा सकता है।

जेंडर समानता की एक मुहीम के रूप में GEMS की शुरुआत 2008 में मुंबई, महाराष्ट्र के 40 स्कूल से की गई। कुछ अंतराल पर इसे रांची, खूंटी के 40 स्कूल (झारखण्ड), एवं उदयपुर एवं सिरोही (राजस्थान) के 400 स्कूलों में संचालित किया गया है। भारत के विभिन्न राज्यों के साथ–साथ GEMS कार्यक्रम को बंगलादेश, वियतनाम और फिलिपिन्स में भी लागू किया गया है।

GEMS की प्रक्रियाएं

• सामूहिक शिक्षा सत्र

जेंडर, शारीरिक बदलाव, हिंसा, भावना, संवाद, जीवन कौशल, पोषण, नशा और चुनौतियों एवं समाधान पर चर्चा एवं गतिविधियों से युक्त 3 शैक्षणिक वर्षों में 32 कक्षा सत्र।

• शिक्षकों की संवेदनशीलता एवं क्षमता वर्धन

व्यापक प्रशिक्षण, सहयोगात्मक सत्र अभ्यास, और परिवर्तन की प्रक्रिया के रूप में शिक्षकों को सशक्त बनाने के लिए फील्ड फैसिलिटेटर्स द्वारा कक्षाओं में सत्रों के दौरान सहयोग प्रदान करना।

• स्कूल और सामुदायिक अभियान

छात्रों के नेतृत्व में असेंबली, निबंध और पोस्टर प्रतियोगिताओं रोल प्ले और जेंडर–भेदी खेलों के माध्यम से स्कूल में GEMS की सीख और संदेश प्राप्त करने के लिए कार्यक्रमों की एक श्रृंखला। श्रृंखला का समापन एक सार्वजनिक कार्यक्रम में होता है जो परिवारों और स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों की भागीदारी को बढ़ाता है। स्कूल प्राचार्यों के नेतृत्व में छात्र–छात्रा गैर–भेदभाव और अहिंसा के लिए प्रतिबद्ध होने की शपथ लेते हैं।

• GEMS डायरी

एक रचनात्मक गतिविधि–आधारित छात्रों की पुस्तक जिसमें खेल, क्विज और चित्र शामिल हैं जो छात्रों को अपने परिवारों के साथ जेंडर सम्बन्धी बातचीत जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कक्षा सत्रों के संदेशों को सुदृढ़ करते हैं।

• स्कूल उन्मुखीकरण/शिक्षक समीक्षा बैठकें

एक सक्षम वातावरण बनाने के लिए स्कूल स्टाफ एवं अन्य शिक्षकों के साथ मासिक संक्षिप्त अभिमुखीकरण बैठकें।

"पहले जब घर में मम्मी खाना बनाती थी तो मैं सोचता था की घर का काम–काज करना सिर्फ लड़कियों का ही काम है लेकिन जेम्स से मुझे सीख मिली की काम कोई भी हो लड़का और लड़की दोनों को करना चाहिए। काम को प्रकृति ने नहीं बाँटा है।"

छात्र, उम्रः 13 वर्ष, नारायणपुर, जामताड़ा

"जेम्स से पहले हम लोग यदि लड़कों के साथ खेलते थे तो सोचते थे की समाज के लोग क्या सोचेंगे, लेकिन अब हम सोचते हैं की लड़का और लड़की साथ खेल सकते हैं और अब हमें साथ खेलने में कोई झिझक भी नहीं लगता है। लिंग समानता का अर्थ है लड़कियों को लड़कों के बराबर अधिकार मिले।"

छात्रा, उम्र 13 वर्ष, नारायणपुर, जामताड़ा

"बच्चों की झिझक मिट रही है। पहले किशोर–किशोरियां साथ खेलने में झिझक महसूस करते थे लेकिन अब वो झिझक मिट रही है। अब लड़कियां माहवारी, स्वच्छता और सेनेटरी पैड के बारे में बात करने लगी हैं जबकि पहले बहुत ही संकोच का माहौल था। पिछले कुछ वर्षों से लड़कियां शारीरिक बदलाव, समान अवसर मिलने, एक साथ प्रतिस्पर्धा के बारे में खुल कर बात करने लगीं हैं। अब कुछ बच्चे–बच्चियां घर में भी बात करती हैं।"

श्वेता ठाकुर, प्रधानाध्यापक उ.म.वि. शहरपुर 2

वर्तमान में GEMS का सञ्चालन झारखण्ड के दो जिलों गोड्डा एवं जामताड़ा के 7 प्रखंडों के 271 विद्यालयों में किया जा रहा है। यह कार्यक्रम कक्षा 6-12 तक के लगभग 50000 छात्र–छात्राओं, 600 शिक्षकों और 271 प्रधानाध्यापकों के साथ–साथ अन्य संस्थागत हितधारकों के साथ जुड़ा हुआ है।

GEMS एक प्राथमिक हिंसा रोकथाम कार्यक्रम है जो शिक्षण केन्द्रों को परिवर्तन के वाहक के रूप में स्थापित करता है। स्कूल छोटे बच्चों की वैचारिक प्रक्रिया दृष्टिकोण और व्यवहार को प्रभावित करने करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। GEMS युवा लड़कियों और लड़कों, शिक्षकों और परिवारों तक पहुंचने के लिए सरकारी स्कूल व्यवस्था के माध्यम से काम करता है। बहु–आयामी दृष्टिकोणों का उपयोग करते हुए, GEMS गहरी जड़ें जमा चुकी लैंगिक रूढ़िवादिता और हिंसा के उपयोग को चुनौती देता है।

ICRW INTERNATIONAL CENTER FOR RESEARCH ON WOMEN

SATHEE साथी

BADLAO FOUNDATION INITIATIVE FOR CHANGE

ICRW Asia
Module 410, NSIC Business Park, 4th Floor, Okhla Industrial Estate, New Delhi - 110020
Tel: 91.11.46643333 | E-mail: info.india@icrw.org | Website: www.icrw.org/asia
Facebook: @ICRWAsia | Twitter: @ICRWAsia
LinkedIn: https://www.linkedin.com/company/international-center-for-research-on-women-icrwasia/

ICRW Jamtara Project Office
Ground floor, 726-A/1 P2, Krishna Nagar, Mihijam, Jamtara, Jharkhand - 815354